

01012

**BACHELOR'S DEGREE PROGRAMME
(BDP PHILOSOPHY)**

Term-End Examination

June, 2012

ELECTIVE COURSE : PHILOSOPHY

BPY-011 : PHILOSOPHY OF HUMAN PERSON

Time : 3 hours

Maximum Marks : 100

Note : (i) Answer all five questions.

(ii) All questions carry equal marks.

*(iii) Answer to question no. 1 and 2 should be in about
400 words each.*

1. Define Philosophy of Human Person. What are the methods employed in its study? Describe the importance of the study of philosophy of human person. 20

OR

What is your stance on 'Atman is Brahman'? Explain Human Person of a 'being in need of liberation? 20

2. Discuss the meaning and types of Determinism. Do you agree with the theory of Determinism? Substantiate your answer with arguments. 20

OR

- Describe the concept of Human Person as an inter-subjective being. 20
3. Answer *any two* of the following in about 200 words each :
- (a) What do you understand by human right ? 10
Explain its implications.
 - (b) Explain briefly the different concepts of human person according to different eras : Cosmocentric, theocentric and anthropocentric. 10
 - (c) Delineate the operative dimensions of human beings. 10
 - (d) Elucidate the philosophical conception of life. 10
4. Answer *any four* of the following in about 150 words each :
- (a) What do Buddhists say about the nature of human person ? 5
 - (b) Briefly explain the evolutionary theory on the origin of human. 5
 - (c) Is the human intellect extrinsically dependent on matter ? 5
 - (d) Explain the dual nature of life found in Jainism. 5
 - (e) Why is soul called the act of the body ? 5
 - (f) What do you understand by a gender-just society ? 5

5. Answer *any five* of the following in about **100** words each :

- | | |
|------------------------|---|
| (a) Dualism | 4 |
| (b) Homo sapiens | 4 |
| (c) Anthropology | 4 |
| (d) Genetics | 4 |
| (e) Embodiedness | 4 |
| (f) Human Intelligence | 4 |
| (g) Abstraction | 4 |
| (h) Natural Right | 4 |
-

स्नातक उपाधि कार्यक्रम
(बी.डी.पी. दर्शन शास्त्र)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2012

ऐच्छिक पाठ्यक्रम : दर्शन शास्त्र
बी.पी.वाई.-011 : मानव-व्यक्ति दर्शन

समय : 3 घण्टे

अधिकतम अंक : 100

- नोट :** (i) सभी पाँचों प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
(ii) सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।
(iii) प्रथम एवं द्वितीय प्रश्नों में प्रत्येक का उत्तर लगभग 400 शब्दों में दीजिए।

1. मानव-व्यक्ति दर्शन को परिभाषित कीजिए। इसके अध्ययन में कौन-कौन सी विधियाँ प्रयोग में लायी जाती हैं? मानव-व्यक्ति दर्शन के अध्ययन के महत्व को स्पष्ट कीजिए। 20

अथवा

- 'आत्मा ब्रह्म है' - वाक्य पर आपका क्या मत है? मानव-व्यक्ति की मुक्ति की कामना वाले जीव (being in need of liberation) के रूप में व्याख्या कीजिए। 20

2. नियतिवाद के अर्थ एवं प्रकारों की विवेचना कीजिए। क्या आप नियतिवाद से सहमत हैं? अपने पक्ष में तर्क प्रस्तुत कीजिए। 20

अथवा

अन्तर्विषयीनिष्ठ (inter-subjective) प्राणी के रूप में 20
मानव-व्यक्ति के विचार का विस्तार से वर्णन कीजिए।

3. **किन्हीं दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग
200 शब्दों में दीजिए :

(a) मानव अधिकार से आप क्या समझते हैं? इसके निहितार्थों 10
की व्याख्या कीजिए।

(b) विभिन्न वैचारिक कालों-ब्रह्माण्डकेन्द्रित, ईश्वर केन्द्रित 10
और मानव केन्द्रित-के अनुसार मानव-व्यक्ति विचार
का संक्षिप्त विवरण दीजिए।

(c) मानव के प्रचलित आयामों की व्याख्या कीजिए। 10

(d) जीवन के दार्शनिक प्रत्यय को स्पष्ट कीजिए। 10

4. **किन्हीं चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर
लगभग 150 शब्दों में दीजिए :

(a) मानव-व्यक्ति के सम्बंध में बौद्ध-दर्शन का क्या मत है? 5

(b) मानव जीवन के उत्पत्ति सम्बंधी उद्द्विकास सिद्धांत की 5
संक्षेप में व्याख्या कीजिए।

(c) क्या मानव बुद्धि मूलतः भौतिक पदार्थ पर निर्भर है? 5
स्पष्ट कीजिए।

(d) जैन दर्शन में प्रस्तावित जीवन के द्वीस्वरूप की व्याख्या 5
कीजिए।

- (e) आत्मा को शरीर का कार्य क्यों कहा जाता है? 5
- (f) लिंगात्मक रूप से न्यायसंगत समाज से आप क्या समझते हैं? 5

5. **किन्हीं पाँच** प्रश्नों में प्रत्येक पर लगभग 100 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी दीजिए :

- (a) द्वैतवाद 4
- (b) होमोसेपियन्स 4
- (c) मानव शास्त्र 4
- (d) अनुवांशिकी 4
- (e) दैहिकता (Embodiedness) 4
- (f) मानव-बुद्धि 4
- (g) अमूर्तीकरण 4
- (h) प्राकृतिक अधिकार 4